लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं क्रिकेट अकादमी परियोजना ने पकड़ी तेजी

परियोजना के परामर्शी का हुआ चयन | सार्वजनिक–निजी सहभागिता के आधार पर होगा विकास

लखनऊ, 24 अगस्त 2012:

लखनऊ में प्रस्तावित **अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम एवं क्रिकेट अकादमी** परियोजना हेतु आज **परियोजना पुनर्गठन एवं विकासकर्ता के चयन के लिए बिड प्रक्रिया का संचालन** करने के लिए **इनोवेस्ट एडवाइज़री सर्विसेज़ प्रा.लि., उत्तराखण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट कम्पनी लि. (यू–डीइसी) तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट फाइनेन्स कम्पनी लि. (आईडीएफसी) के संकाय (कन्सोरटियम)** का **परामर्शी** के रूप में चयन किया गया है। यह परियोजना **सार्वजनिक निजी सहभागिता** के माध्यम से क्रियान्वित की जायेगी।

प्रक्रिया में तेजी लाते हुए इसका निर्णय आज <u>अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अनिल कुमार गुप्ता</u> की अध्यक्षता में सम्पन्न बिड मूल्यांकन समिति की बैठक में लिया गया। चार निविदाकर्ताओं ने समिति के समक्ष अपने अनुभव व परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रस्तुतीकरण किया। इस बैठक में प्रमुख सचिव आवास– एस एन शुक्ला; सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास– संजय प्रसाद; विशेष सचिव, अवस्थापना विकास– डॉ. रोशन जैकब तथा राज्य सरकार के आवास, पर्यावरण, वित्त, नगर विकास विभागों सहित लखनऊ विकास प्राधिकरण आदि के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।

<u>अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अनिल कुमार गुप्ता</u> ने कहा, "यद्यपि उत्तर प्रदेश के कई खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट टीम में प्रमिनिधित्व कर रहे हैं, फिर भी राज्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम नहीं है। इसलिए मा. मुख्यमंत्री जी, अखिलेश यादव की इच्छानुसार इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से क्रियान्वित कराया जाएगा।"

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन सम्भव हो पाएगा, जिससे प्रदेश के नये प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के आमंत्रण पर कुल 5 निविदाकर्ताओं ने दो भागों में– तकनीकी एवं वित्तीय निविदा जमा की थीं। पहले तकनीकी निविदाओं का मुल्यांकन 'परियोजना विकास अनुभव', 'विकासकर्ता के सफल चयन' एवं 'कार्यविधि पर प्रस्तुतिकरण' के मानकों पर किया गया। जिसमें दो बिडर्स– इनोवेस्ट एडवाइज़री सर्विसेज़ प्रा.लि., उत्तराखण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट कम्पनी लि. (यू–डीइसी) तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट फाइनेन्स कम्पनी लि. (आईडीएफसी) के कन्सोरटियम तथा जोन्स लैंग ला–सले तकनीकी रूप से अर्ह पाए गए। इनमें से इनोवेस्ट एडवाइज़री सर्विसेज़ प्रा.लि., उत्तराखण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट कम्पनी लि. (यू–डीइसी) तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट फाइनेन्स कम्पनी लि. (आईडीएफसी) के कन्सोरटियम को न्यूनतम वित्तीय बिड के आधार पर चुना गया है।

प्रथम् चरण में यह परियोजना 50 एकड़ भूमि पर लगभग रुपये 300 करोड़ की अनुमानित लागत से क्रियान्वित की जाएगी। साथ ही 37 एकड़ में वाणिज्यिक दृष्टि से विकास किया जाएगा जिससे इस परियोजना को वित्तीय रूप से व्यवहारिक बनाया जा सके। इस स्टेडियम में लगभग 50,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी।

चयनित परामर्शी न केवल इस पीपीपी परियोजना के विभिन्न चरणों का विस्तृत फिज़िबिलिटी प्लान बनाएगा बल्कि विकासकर्ता के चयन के लिए बिडिंग प्रक्रिया में भी सहयोग करेगा।

दूसरे चरण में अतिरिक्त क्रीड़ा संसाधनों व अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा। जिसमें इनडोर खेल, जल–क्रीड़ा स्थल, हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स आदि खेलों की उन्नत व्यवस्था होगी।